

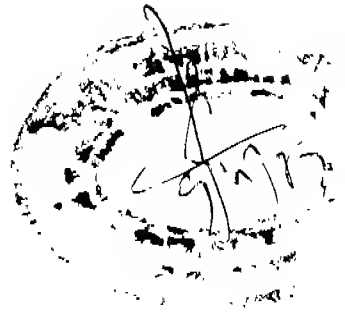


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 76]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 20, 1987/फाल्गुन 1, 1908

No 76]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 20, 1987/PHALGUNA 1, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग मंत्रालय  
(कंपनी कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1987

का. आ. 96(अ).—कंपनी विधि बोर्ड का यह समाधान  
हो गया है कि गुजरात एग्रो फूड्स लिमिटेड के, जो एक  
सरकारी कंपनी है, और गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन  
लि. की समनुषंगी कंपनी है, जो पूर्णतया सरकारी स्वामित्व  
कंपनी है और कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1)  
के अधीन निगमित कंपनी है, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय  
"खेत-उद्योग भवन" उच्च न्यायालय के सामने, नबरंगपुरा,  
अहमदाबाद है, मुख्य उद्देश्य को सुनिश्चित करने के प्रयोजन  
के लिए और उत्स्कर, कार्मिक और सामग्री के दुर्लभ साधनों  
का उपयोग करने, किसानों को कृषायुती किराए पर शीतागार  
उपलब्ध कराने, फलों और सब्जियों को संशोधित करने के

लिए सुविधाएं स्थापित करने के लिए जिससे कि किसान अपने  
कृषि उत्पाद के लिए लाभकारी कीमत प्राप्त कर सकें और  
किसानों को अपना शीतागार रखने के लिए प्रोत्साहित करने  
तथा अन्य क्रियाकलापों के लिए, लोकहित में यह आवश्यक  
है कि गुजरात एग्रोइंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लि. जो कंपनी  
अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन रजिस्ट्रीकृत  
सरकारी निगमित कंपनी है, और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय  
खेत-उद्योग भवन, उच्च न्यायालय के सामने, नबरंगपुरा,  
अहमदाबाद-380014 है और उक्त गुजरात एग्रो फूड्स लि.  
को एक कंपनी के रूप में समामेलित कर दिया जाना चाहिए।

और प्रस्थापित आदेश के प्रारूप की एक प्रति पूर्वोक्त  
कंपनियों, अर्थात् गुजरात एग्रो फूड्स लिमिटेड और मैसर्स  
गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लिमिटेड को प्रकाशन के  
लिए भेज दी गई थी और विभाग को समामेलन स्कीम के  
संबंध में कोई सुझाव/आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः भारत सरकार के कंपनी कार्य विभाग की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 443 (अ) तारीख 18-10-1972 के साथ पठित, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कंपनी विधि बोर्ड उसके द्वारा उक्त दोनों कंपनियों को, एक कंपनी के रूप में समामेलित करने के लिए निम्नलिखित आदेश जारी करता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम :—इस आदेश का संक्षिप्त नाम गुजरात एग्रो फ़ूड्स लिमिटेड और गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लिमिटेड (समामेलन) आदेश 1987 है।

2. परिभाषा :—इस आदेश में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

- (क) “नियत दिन” से वह तारीख अभिप्रेत है जिसको यह आदेश राजपत्र में अधिसूचित किया जाता है।
- (ख) “विघटित कंपनी” से गुजरात एग्रो फ़ूड्स लिमिटेड अभिप्रेत है।
- (ग) “नवगठित कंपनी” से गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लिमिटेड अभिप्रेत है।

3. शेयरधारी पैटर्न—

(क) तारीख 31-3-84 को गुजरात एग्रो फ़ूड्स लिमिटेड का शेयरधारी पैटर्न निम्नलिखित है—

गुजरात एग्रो फ़ूड्स लि. में शेयरधारकों के नाम	शेयरों की संख्या	रकम
1. गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लि.	13,473 साधारण शेयर प्रत्येक 100 रुपये का	13,47,300
2. 1419 प्राइवेट व्यक्तियों द्वारा धारित	1686 साधारण शेयर प्रत्येक 100 रुपये का।	1,68,600

शेयरों के उचित मूल्य को ध्यान में रखते हुए, यथास्थिति, गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन का 100 रु० का प्रत्येक एक साधारण शेयर गुजरात एग्रो फ़ूड्स लि. के दो साधारण शेयरों के बदले में दिया जाएगा या गुजरात एग्रो फ़ूड्स लि. के शेयर धारकों को 44 रुपये प्रति शेयर नकद प्रतिकर के रूप में, शेयरधारकों के विकल्प पर, संदाय किया जाएगा।

तारीख 31 मार्च, 1984 को गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लिमिटेड का शेयरधारी पैटर्न निम्नलिखित है—

शेयर धारकों के नाम	शेयरों की संख्या	रकम
1	2	3
राज्य सरकार और केन्द्रीय सरकार, संयुक्त रूप से	5,06,000 साधारण शेयर प्रत्येक 100/- रुपये का	5,06,00,000

प्रत्येक 100 रुपये के सभी 13473 शेयर, जो गुजरात एग्रो फ़ूड्स लि. में पूर्णतः समादत्त हैं और जो गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन के नाम में धारित हैं, रद्द कर दिए जाएंगे। शेष 1686 शेयर, प्राइवेट शेयरधारकों को नवगठित कंपनी को प्रतिकर का संदाय करने या नवगठित कंपनी के शेयरों को जारी करने के पश्चात् रद्द कर दिए जाएंगे।

नवगठित कंपनी प्रत्येक व्यक्ति को, जिसका नाम नियत दिन के ठीक पूर्व, विहित कंपनी के सदस्यों के रजिस्टर में है, उसे शेयरों के आबंटन और ऐसे शेयरों के लिए आबंटन-पत्र के संबंध में, विशिष्टियां देते हुए एक सूचना, रजिस्ट्री रसीदी डाक द्वारा भेजेंगी। नवगठित कंपनी द्वारा एक सूचना भी कम से कम दो समाचार पत्रों में (जिनमें से एक प्रादेशिक भाषा में होगा) प्रकाशित की जाएगी जिसमें विघटित कंपनी के शेयर धारकों को भेजी गई सूचना अधिसूचित होगी।

4. कम्पनियों का समामेलन—(1) नियत दिन से ही, विघटित कंपनी का उपक्रम उसके विल्लंगमों के अधीन रहते हुए, यदि कोई हो, गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लि. में अन्तर्गत हो जाएगा और उसमें निहित हो जाएगा, ऐसी कंपनी, ऐसे अन्तरण के ठीक पश्चात् समामेलन होने पर नवगठित कंपनी समझी जाएगी।

(2) शेखा के प्रयोजनों के लिए समामेलन, दोनों कंपनियों के 31 मार्च, 1984 को यथा विद्यमान लेखा परीक्षित लेखाओं और तुलन पत्रों के प्रति निदेश से प्रभावी होगा और उसके पश्चात् किए गए संव्यवहारों को एक सामान्य लेखा में मूल किया जाएगा। विघटित कंपनी से किसी पश्चात-वर्ती तारीख को अपना अंतिम लेखा तैयार करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी और नवगठित कंपनी, 31 मार्च, 1984 को यथाविद्यमान तुलन पत्र के अनुसार सभी आस्तियों और दायित्वों को ग्रहण करेगी और उसके पश्चात के सभी व्यवहारों का पूर्ण उत्तरदायित्व स्वीकार करेगी।

स्पष्टीकरण :—विघटित कंपनी के उपक्रम के अन्तर्गत सभी अधिकार, शक्तियां, अधिकार और विशेषाधिकार और सभी सम्पत्तियां, जंगम या स्थावर, जिनके अन्तर्गत नगदी अतिशेष, आरक्षितियां, राजस्व अतिशेष, विनिधान और ऐसी सम्पत्ति में या उनसे उद्भूत होने वाले अन्य सभी हित और अधिकार जो नियत दिन के ठीक पूर्व विघटित कंपनी के हैं या उनके कब्जे में हैं, और उक्त संविदा नाम अतिशेष, लेखे और वस्तावेज तथा विघटित कंपनी के उस समय विद्यमान सभी ऋण, दायित्व, कर्तव्य और बाध्यताएं, चाहे वे किसी भी प्रकार की हों।

5. सम्पत्ति की कतिपय मर्कों का अन्तरण—इस आदेश के प्रयोजन के लिये, नियत दिन को विघटित कंपनी के सभी लाभ या हानियां, या दोनों, यदि कोई हो, और विघटित कंपनी की राजस्व आरक्षितियां या कमियां या दोनों, यदि कोई हैं, जब नवगठित कंपनी को अन्तर्गत की जाएं, यथास्थिति, नवगठित कंपनी के क्रमशः लाभ या हानि और राजस्व आरक्षित या कमी के भाग रूप हो जाएंगी।

6. संविदाओं प्रादि की व्यावृत्ति :—इस आदेश में अस्तित्वित अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए, सभी संविदाओं, विलेख, बंधपत्र, करार और अन्य लिखतें, चाहे वे किसी भी प्रकार की हों, जिनमें विघटित

कंपनी एक पक्षकार है, नियत दिन के ठीक पूर्व अस्तित्व में है या प्रभावी है, नवगठित कंपनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में पूर्णतः बल रखेगी और प्रभावी होगी और उन्हें जैसे ही पूर्णरूप से और प्रभावी रूप से प्रवृत्त किया जा सकेगा मानो विघटित कंपनी को बचाव नवगठित कंपनी एक पक्षकार थी।

7. विधिक कार्यवाहियों की वास्तुनि—यदि नियत दिन का, विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध कोई वाद, अभियोजन, अपील या किसी भी प्रवृत्ति की विधिक कार्यवाही लंबित है, तो वह विघटित कंपनी के उपक्रम के नवगठित कंपनी को अंतरित हो जाने के कारण या इस आदेश में अंतर्विष्ट किसी बात के होने हुए, जो उद्भवित नहीं होगा या उसे बन्द नहीं किया जायेगा अथवा किसी भी प्रकार उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, किन्तु ऐसा वाद, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाही, नवगठित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध उसी रीति से और उसी विस्तार तक जारी रखी जा सकेगी, अग्रेसर और प्रवर्तित को जा सकेगी जिस रीति से और जिस विस्तार तक वह विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रखी जा सकती थी या अग्रेसर और प्रवर्तित की जा सकती थी या जारी रखी जा सकेगी, या अग्रेसर और प्रवर्तित को जा सकेगी, यदि यह आदेश नहीं किया गया होता।

8. कराधान की बाबत उपबन्ध—नियत दिन के पूर्व, विघटित कंपनी द्वारा किये गये कारबार के लाभों और अभितामां (जिनके अंतर्गत संघित हानियां और अनामिलित अवशेषण भी हैं) को बाधित सभी कर नवगठित कंपनी द्वारा संवेद होगा। ऐसा कराधान ऐसी रियायतों और राहतों के अधीन होगा जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप अनुज्ञात किये जायें।

9. विघटित कंपनी के विद्यमान अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपबन्ध—विघटित कंपनी नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (विघटित कंपनी के निदेशक को छोड़कर) नियत दिन से ही, नवगठित कंपनी का, यथावधि अधिकारी या कर्मचारी बन जायेगा और वह उसमें अपना पद या अपनी सेवा उसी अवधि के लिये और उन्हीं निर्वन्धनों और शर्तों पर और वैसे ही अधिकारों और विशेषाधिकारों के साथ धारण करेगा जो वह, यदि यह आदेश नहीं किया गया होता, विघटित कंपनी के अधीन धारण करता और वह तब तक ऐसा करता रहेगा जब तक नवगठित कंपनी ने उसका नियोजन सम्यक् रूप से समान नहीं कर दिया जाता या जब तक उसका पारिश्रमिक और नियोजन को शर्तें पारस्परिक सहमति द्वारा सम्यक् रूप से परिवर्तित नहीं कर दी जाती।

10. निदेशकों की स्थिति—विघटित कंपनी का प्रत्येक निदेशक जो नियत दिन के ठीक पूर्व, उस रूप में पद धारण, किये हुए है, या नियत दिन को विघटित कंपनी का निदेशक नहीं रह जायेगा।

11. गुजरात एग्रो फूड्स लि. का विघटन—इस आदेश के अन्य उपबन्धों के अधीन रहने हुए नियत दिन से गुजरात एग्रो फूड्स लिमिटेड विघटित हो जायेगी और कोई भी व्यक्ति विघटित कंपनी के विरुद्ध या उसके निदेशक या किसी अधिकारी के विरुद्ध ऐसे निदेशक या अधिकारी के रूप में उसकी हैसियत में, न तो कोई वाद करेगा और न तो कोई मांग या कार्यवाही प्रस्तावित करेगा या हथियेगा, सिवाय वहाँ तक जहाँ तक इस आदेश के उपबन्धों को प्रवर्तित करने के लिये आवश्यक हो।

12. भविष्य निधि की समस्या—विघटित कंपनी के सभी प्राधिकार और कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्य उपबन्ध अधिनियम, 1952 की स्कीम के अधीन उस कर्मचारी भविष्य निधि के सदस्य बने रहेंगे जिसके वे सदस्य हैं और नियत दिन से गुजरात एग्रो फूड्स लिमिटेड, इन अधिकारियों और कर्मचारियों की बाबत

उन्हीं दलों पर, जिन पर विघटित कंपनी उक्त कर्मचारी भविष्य निधि में अभिदाय कर रही थी, उक्त निधि में कर्मचारियों के अभिदाय करेगा और करता रहेगा।

13. कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण—कंपनी बिधि बोर्ड, इस आदेश के राजपत्र में अभिलिखित किये जाने के पश्चात् यथाशीघ्र, कंपनी रजिस्ट्रार गुजरात को इस आदेश की एक प्रति भेजेगा और उसकी प्राप्ति पर, कंपनी रजिस्ट्रार, गुजरात विघटित कंपनी द्वारा लिखित फांस का संवाय किये जाने पर, आदेश को रजिस्ट्रार करेगा और इस आदेश की प्रति प्राप्त होने के एक मास के भीतर रजिस्ट्रीकरण को अपने हस्ताक्षर से अधिप्रमाणित करेगा।

उसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार गुजरात अंतरक कंपनी से संबंधित अपने पास रजिस्ट्रीकृत, अभिलिखित या फाइल किये गये सभी दस्तावेज, गुजरात एग्रो फूड्स कारपोरेशन लि. की फाइल में जिसके साथ अंतरक कंपनी का सम्मेलन किया गया है, रखेगा और उन्हें समेकित करेगा और इस प्रकार समेकित दस्तावेजों को अपनी फाइल में रखेगा।

14. नवगठित कंपनी के संगम जापन और संगम अनुच्छेद—गुजरात एग्रो इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लि. के संगम जापन और संगम अनुच्छेद, जिस रूप में वे नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान थे, नियत दिन से ही नवगठित कंपनी के संगम-जापन और संगम-अनुच्छेद हो जायेंगे।

[सं. 24/21/85-सी.एल.-III]

कंपनी बिधि बोर्ड के आदेश से,  
आर.एन. बंसल, सदस्य कंपनी बिधि बोर्ड

MINISTRY OF INDUSTRY  
(Department of Company Affairs)  
ORDER

New Delhi, the 20th February, 1987

S.O. 96(E).—Whereas, the Company Law Board is satisfied that for the purpose of securing the principal objects of the Gujarat Agro Foods Limited, a Government Company and subsidiary of Gujarat Agro Industries Corporation Limited, which is a wholly owned Government Company and a company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at Khet-Udyog Bhavan, Opp : High Court, Navrangpura, Ahmedabad and for the purpose of securing the use of scarce resources of equipments, personnel and material, providing cold storage at economic rentals to the farmers, setting up facilities for processing fruits and vegetables so as to enable the farmers to earn remunerative prices for their agricultural produce to encourage farmers to have their own cold storage and other activities, it is essential in the public interest that the Gujarat Agro Industries Corporation Limited a Government company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at Khet-Udyog Bhavan, Opp : High Court, Navrangpura, Ahmedabad-380014 and the said Gujarat Agro Foods Limited, should be amalgamated into a single company;

And whereas a copy of the proposed order was sent in draft for publication to the companies aforesaid, namely M/s. Gujarat Agro Food Limited, and

M/s. Gujarat Agro Industries Corporation Limited and no suggestions/objections were received by the Department from public in regard to this scheme of amalgamation;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the notification of the Government of India in the Department of Company Affairs, No. GSR 443(E) dated 18th October 1972, the Company Law Board hereby makes the following order to provide for the amalgamation of the said two companies into a Single Company, namely—

1. Short Title.—This order may be called the Gujarat Agro Foods Limited and the Gujarat Agro Industries Corporation Limited (Amalgamation) Order, 1987.

2. Definitions.—In this order unless the context otherwise requires—

- (a) “the appointed day” means the date on which the Order is notified in the Official Gazette.
- (b) “dissolved Company” means the Gujarat Agro Foods Limited.
- (c) “resulting Company” means the Gujarat Agro Industries Corporation Limited.

3. Share Holding Pattern.—(a) The share holding pattern of the Gujarat Agro Foods Limited as on 31st March 1984, is as under :—

Name of shareholders in Gujarat Agro Foods Limited	No. of shares	Amount
(i) Gujarat Agro Industries Corporation Ltd.	13,473 equity shares of Rs. 100/- each.	13,47,300
(ii) Held by 1419 private individuals.	1686 equity shares of Rs. 100/-	1,68,600

Keeping in view the fair value of shares, one equity share of Rs. 100 each in Gujarat Agro Industries Corporation Ltd., would be offered in exchange of two equity share of Gujarat Agro Foods Ltd., or a cash compensation of Rs. 44 per share be paid to the shareholders of Gujarat Agro Food Ltd., as the case may be, at the option of the shareholders.

(b) The share holding pattern of Gujarat Agro Industries Corporation Limited as on 31-3-1984 is as under :—

Name of shareholder	No. of shares	Amount
The State Government and the Central Government jointly	5,06,000 equity shares of Rs. 100/- each.	5,06,00,000

All the 13,473 equity shares of Rs. 100 each fully paid up in Gujarat Agro Food Ltd., which are held in the name of Gujarat Agro Industries Corporation Ltd., shall be cancelled. The remaining 1686 shares shall be cancelled after the compensation/shares of the resulting company are paid/issued to private shareholders.

The resulting company shall send by registered post acknowledgement due to every person whose name appear immediately before the appointed day in the register of members of the dissolved company, a notice giving particulars as to the allotment of shares to him and allotment letter for such shares. A notice shall also be published by the resulting company in atleast 2 newspapers (one of which shall be in the regional language) notifying the despatch of the notice to the shareholders of the dissolved company.

4. Amalgamation of the Companies.—(1) On and from the appointed day, the undertaking of the dissolved company, subject to encumbrances thereof, if any, shall stand transferred to and vest in the Gujarat Agro Industries Corporation Limited, which company shall immediately on such transfer, be deemed to be the Company resulting from the amalgamation.

(2) For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance sheets as on the 31st March, 1984 of the two companies and the transactions thereafter shall be pooled into a common account, the dissolved company shall not be required to prepare its final accounts as on any later date and the resulting company shall take over all assets and liabilities according to the balance sheet as on 1st April, 1984, and accept full responsibility for all transactions thereafter.

Explanation.—The undertaking of the dissolved company shall include all rights, powers, authorities and privileges and all property, movable or immovable including cash balance, reserves, revenue balances, investments and all other interests and rights



in or arising out of such property as may belong to, or be in the possession of the dissolved company immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved company.

5. **Transfer of certain items of Property.**—For the purposes of this order, all the profits or losses, or both, if any, of the dissolved company as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits, or both, if any, of the dissolved company when transferred to the resulting company shall respectively form part of the profits or losses, and the revenue reserves or deficits, as the case may be, of the resulting company.

6. **Saving of contracts etc.**—Subject to the other provisions contained in this order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved company is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day, shall have full force and effect against or in favour of the resulting company and may be enforced as fully and effectually, as if, instead of the dissolved company, the resulting company had been a party thereto.

7. **Saving of Legal Proceedings.**—If, on the appointed day, any suit, prosecution appeal or other legal proceeding of whatever nature by or against the dissolved company be pending, the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reasons of the transfer to the resulting Company of the undertaking of the dissolved company or of anything contained in this order; but the suit, prosecution, appeal or other legal proceedings may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting company in the same manner and to the same extent as it would or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved company if this order had not been made.

8. **Provisions with respect to taxation.**—All taxes in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved company before the appointed day shall be payable by the resulting company subject to such concession and reliefs as may be allowed under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) as a result of this amalgamation.

9. **Provisions Respecting Existing Officers and other Employees of the Dissolved Company.**—Every whole-time officer or other employee (excluding the directors

of the dissolved company) employed immediately before the appointed day in the dissolved company, shall, as from the appointed day, become an officer or other employee as the case may be, of the resulting company and shall hold office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as he would have held the same under the dissolved company, if this order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in the resulting company is duly terminated or until his remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

10. **Position of Directors.**—Every director of the dissolved company holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a Director of the dissolved company on the appointed day.

11. **Dissolution of the Gujarat Agro Food Ltd.**—Subject to the other provisions of this order, as from the appointed day, the Gujarat Agro Food Ltd. shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against the dissolved company or against a director or an officer thereof in his capacity as such Director or officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this order.

12. **Membership of Provident Fund.**—All Officers and employees of the dissolved company shall continue to be members of Employees Provident Fund under the scheme of Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 of which they are members and M/s. Gujarat Agro Industries Corporation Limited shall with effect from the appointed day make and continue to make the employees contributions to the said Employees Provident Fund in respect of these officers and employees at the same rates as were being made by the dissolved company.

13. **Registration of the order by the Registrar of Companies.**—The Company Law Board, shall as soon as may be after this order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, Gujarat, a copy of this order, on receipt of which the Registrar of Companies, Gujarat shall register the order on payment of the prescribed fees by the resulting company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this order.

Thereafter the Registrar of Companies, Gujarat, shall forthwith include all documents registered, recorded, or filed with him relating to the transferor company on the file of M/s. Gujarat Agro Industries Corporation Ltd., with whom the transferor company has been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

14. Memorandum and Articles of Association of the Resulting Company.—The Memorandum and Articles

of Association of the Gujarat Agro Industries Corporation Ltd., as they stood immediately before the appointed day shall, as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting Company.

By order of the Company Law Board,

[No. 24/21/85-CL. III]

R. N. BANSAL, Member,  
Company Law Board